22 खातों की जांच करने के निर्देश, बीईओ कार्यालय पाली में खेल

राज्य वित्त खुफिया प्रकोष्ठ ने पकड़ा 2.6 करोड़ का घोटाला

उमरिया। वर्षों से पाली विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी पर जमे राणाप्रताप सिंह आज भी अपने घोटालों के काले पन्ने रच रहे हैं। इनका अब तक का कार्यकाल भ्रष्ट करतूतों और नियमविरुद्ध आचरण के लिए चर्चित रहा है, जिसकी दर्जनों बार शिकायतें हुईं और कभी जांच का स्वांग भी रचाया गया लेकिन इन पर कोई आंच नहीं आई।

हाल ही में कार्यालय आयुक्त, कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश ने एक बड़ा घोटाला पकड़ा। जिसने उमरिया कलेक्टर को पत्र जारी कर उल्लेख किया कि विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पाली में कपटपूर्ण भुगतान हुए हैं, राज्य वित्त खुफिया प्रकोष्ठ द्वारा आईएफएमआईएस के अंतर्गत डीडीओ द्वारा किये गये संव्यवहारो का विश्लेषण किया जाकर संदिग्ध भुगतानों को चिह्नांकित किया जाता है, उक्त विश्लेषण में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पाली में लगभग 2.6 करोड़ के संदिग्ध भुगतान परिलक्षित हुए हैं। खबर है कि कार्यालय आयुक्त, कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश से 22 खातों की जांच के लिए पत्र जारी हुआ है। इस संदर्भ में 18 मार्च को कलेक्टर कोषालय ने पत्र जारी कर कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पाली अंतर्गत संदिग्ध खाता नंबरों पर अंतरित किये गये अनाधिकृत राशि की जांच के लिए दल गठित किया है। उक्त दल में अंबिकेश प्रताप सिंह अनुविभागीय अधिकारी, सतेन्द्र मिश्रा सहायक कोषालय अधिकारी, पुष्पेन्द्र पाण्डेय सहायक पेंशन अधिकारी एवं केशव शर्मा सहायक वर्ग-3 शामिल है, उक्त पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि 7 दिवस के अंदर संदिग्ध खाता नंबरों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन के माध्यम से अवगत कराया जाये।

गबन और संदिग्ध भुगतान पकड़ाया

पत्र में लेख है कि विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पाली में पदस्थ रहे कर्मचारियों राम बिहारी पाण्डेय माध्यमिक शिक्षक, अशोक कुमार धनकड़ तथा बालेन्द्र द्विवेदी कम्प्यूटर ऑपरेटर स्वयं तथा उनके परिजनों के खातें में कपटपूर्ण आहरण कर गबन होना दर्शित होता है। साथ ही अन्य बैंक खातों में भी संदिग्ध भुगतान दर्शित होता है। साथ ही पत्र में यह भी है कि तालिका में ऐसे प्रकरण सम्मिलित हो सकते हैं, जिनमें डाटा एंट्री की त्रुटि या संभवतः कार्यरत कर्मचारी की मृत्यु के कारण से एक खाते में एक से अधिक हितग्राही/पार्टी नाम दर्शित हुए हैं, किन्तु या तो इन खातों के खाताधारकों के नाम ज्ञात नहीं हो सके अथवा इनको संदिग्ध नहीं मानने के संबंध में अभिलेख प्राप्त नहीं हो सकने से इन्हें संदिग्ध की सूची में सम्मिलित किया गया है। जांच में यदि इन बैंक खातों में कपटपूर्ण भुगतान या शासकीय निधि की हानि दर्शित नहीं होने पर तत्काल होल्ड/फ्रीज को हटाने की कार्यवाही की जाये। ऐसे कर्मचारियों के वेतन एवं भविष्य निधि के आहरण को अनुमत करने के उपरांत जिनकी राशि अन्य खातों में ट्रांसफर की, उनको फार्म-16 जारी हुए हैं, अथवा नहीं, इसके संबंध में जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया जाना तथा ऐसे भुगतानों की राशि को उक्त फार्म में दर्शाया गया है अथवा नहीं, का परीक्षण अपेक्षित हैं।

गड़बड़झालों की शिकायतें नहीं सुनीं

पूर्व में भुगतान के संबंध में हुई गड़बड़ी की शिकायत कलेक्टर कार्यालय से लेकर कमिश्नर कार्यालय तक लगातार होती रही है, लेकिन आंख मूंदे और कान में तेल डालकर बैठे वरिष्ठ अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है कि बीईओ कार्यालय में हुए भ्रष्टाचार के मामले को कार्यालय आयुक्त, कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश ने संज्ञान लिया है, हालाकि 7 दिवस में जांच प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय से मांगा गया है, चर्चा है कि 6 माह में राणा प्रताप सिंह रिटायर हो जायेंगे और भ्रष्टाचार के लगातार गढ़ तोडने वाले श्री सिंह की कुर्सी खाली हो जायेगी। अगर अशोक धनकड सहित बीईओ राणा प्रताप सिंह की संपत्ति की जांच हो जाये तो, जिले के कुबेर पुत्रों में इनकी गिनती होगी।

गवाह उमरिया के 5 कलेक्टर

वर्षों से पाली विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी पर जमे राणा की हैसियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व बीईओ पर दबाव बनाकर प्रभार लिया गया। पूर्व बीईओ ने कमिश्नर कार्यालय में विभागीय पत्र के माध्यम से अवगत कराया, लेकिन राणा के रसूख के सामने कमिश्नर कार्यालय में पत्र ने दम तोड़ दिया, आश्चर्य की बात तो यह है कि राणा प्रताप सिंह के विरूद्ध अधिरोपित आरोपों में तत्कालीन 5 कलेक्टर गवाही हैं, जिनमें एसएस भटनागर, एके उपाध्याय, कृष्ण गोपाल तिवारी, अमर पाल सिंह, स्वरोचिष सोमवंशी शामिल है, इसके अलावा राज्य शासन की ओर से सहदेव सिंह मरावी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, उचित नारायण महरा तत्कालीन अधीक्षक एकलव्य आवासीय विद्यालय पाली, श्रीमती अर्चना सिंह अधीक्षिका एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाली, लोकेश कुमार महरा स्टोर कीपर सहायक ग्रेड-3 एकलव्य आदर्श विद्यालय पाली को भी गवाह बनाया गया है। जिला मुख्यालय, संभागीय मुख्यालय सहित राजधानी तक प्रशासन के सीने पर नियम विरूद्ध राणाजी का घोड़ा दौड़ रहा है, लेकिन बैठकों में वरिष्ठ ईमानदारी की ढपली बजाने में जरा भी नहीं शरमा रहे हैं। अंत में श्री राणा शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर सेवा निवृत्त हो जाएंगे और लोग कहेंगे कि, नौकरी करो तो राणा जैसी।

खबर संक्षेप

34 नग मवेशी जप्त, हुए तस्करों में मची खलबली

मानपुर। मवेशी तस्करो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मानपुर थाना प्रभारी ने देर रात चेकिंग अभियान चलाकर तीन वाहनों से भारी मात्रा में मवेशी जप्त किए। जिसमे अशोक लीलैंड की एक गाड़ी और पिकअप सहित कुल 34 नग मवेशियों को कब्जे में लिया, जिन्हें ठोडक़ा गोशाला में भेजा गया है, इस कार्रवाई में वाहनों के साथ मवेशी तस्कर एक शाहनवाज खान गिरफ्तार हुआ है एवं अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं और उनके खिलाफ थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। अचानक हुई इस बड़ी कार्रवाई से मवेशी तस्करों में हडक़ंप मच गया है। पुलिस अब तस्करी के इस नेटवर्क की गहन जांच कर रही है और अन्य संलिप्त लोगों की तलाश जारी है। मानपुर पुलिस की इस मुस्तैदी से अवैध मवेशी तस्करी पर कड़ा प्रहार हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में भी संतोष है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मवेशी तस्करी के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

युवाओं ने रखे पक्षियों के लिए सकोरे और गौवंश के लिए नाद

शहडोल। ग्रीष्मकाल के दौरान युवाओं ने एक अनोखी पहल शुरू की। युवाओं द्वारा पक्षियों के लिए सकोरे और गौवंश के लिए नाद रखवाए जा रहे है इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में पक्षियों और गौवंश को पेयजल उपलब्ध कराना। इसी कड़ी में युवाओं द्वारा आयोजित यूआईटी उत्सव 2025 पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान गर्मी में पशु पक्षियों और पौधों के लिए जल उपलब्धता के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में पक्षियों के पेड़ों के शाखाओं में सकोरे और गौवंश के लिए नाद रखवाए गए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग कॉलेज के माइनिंग विभाग के एच ओ डी श्री अमिताप मिश्रा, युवा टीम गौरव मिश्रा, प्रभाकर मिश्र, प्रकाश सेन, शिवनाथ द्विवेदी,रूपेश सार्थक आशीष साहित अन्य युवा ने भी अपना योगदान दिया। इस पहल के साथ, युवाओं ने न केवल पक्षियों और गौवंश की मदद की, बल्कि उन्होंने पर्यावरण के प्रति भी जागरूकता बढ़ाई। यह एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे हम अपने आसपास के जीव-जन्तुओं की मदद कर सकते हैं और पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं।

वर्दीधारियों पर हुआ पथराव, 17 खिलाफ नामदज, 4 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस वालों यह ईरानी मोहल्ला है, दोबारा कोई जिंदा नहीं लौटेगा

शहडोल। सराफा व्यापारियों पर हुए गोलीकांड मामले में जांच करने पहुंची पुलिस की टीम पर पथराव हो गया। पथराव में एक महिला कांस्टेबल समेत 3 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ नामजद सहित 4 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सराफा व्यापारियों से लूट के मामले में आरोपियों की तलाश में उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों की पुलिस शहडोल के चक्कर लगा रही है। जिले की बुढार पुलिस सराफा व्यापारी गोली कांड मामले में बुढार थाना क्षेत्र के ईरानी मोहल्ले में जांच के लिए गई थी। ईरानी मोहल्ले में बुढ़ार के अलावा छत्तीसगढ़, यूपी, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में लाखो के जेवरात की चोरी करने वाले वांटेड आरोपी यूसुफ और तौहीद के बारे में पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान फिरोज नामक व्यक्ति मिला, जिससे पुलिस बातचीत कर रही थी। फिरोज ने गाली गलौज शुरू कर दिया। तभी वहां मोहल्ले में तनाव हो गया। वहां मौजूद महिलाएं और अन्य लोग भडक़ गए और पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया। मोहल्ले के लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें 3 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस पर हमला करने के मामले में बुढार पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे, उत्तप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ पुलिस भी कर रही तलाश

4 आरोपी गिरफ्तार

बुढार थाना क्षेत्र में पुलिस से झूमाझपटी कर शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों में फिरोज अली जाफरी, खानू अली, मनोहर अली और सादिर अली शामिल हैं। यह कार्रवाई तब हुई जब बुढार पुलिस एक मामले में संदिग्ध यूसुफ और तौहीद की तलाश में ईरानी मोहल्ला गई थी। वहां फिरोज और अन्य महिलाओं ने पुलिस के साथ झुमाझपटी की और शासकीय कार्य में बाधा डाली। बुढार पुलिस ने इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया था। संदिग्ध आरोपी यूसुफ और तौहीद की तलाश मध्य प्रदेश के अलावा यूपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत अन्य राज्यों की पुलिस भी कर रही है, जो ज्वेलरी चोरी के मामले में संदिग्ध हैं।

यह हुआ था घटना क्रम

आरक्षक बलभद्र सिंह ने थाना में शिकायत दर्ज कराई कि 20 मार्च को उपनिरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक शंकर प्रजापति व प्रायवेट चालक कृष्णकांत त्रिपाठी के कस्बा पेट्रोलिंग मे रवाना हुआ था, पेट्रोलिंग के दौरान थाना प्रभारी द्वारा उपनिरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी को आदेशित किया गया कि धारा 109 बीएनएस का अज्ञात आरोपी सफेद कलर की बिना नंबरी अपाचे मोटर सायकल से ईरानी मोहल्ला बुढार में अगर कोई हो तो उसके संबंध पेट्रोलिंग स्टाफ एवं थाना से स्टाफ को साथ लेकर ईरानी मोहल्ला जाकर तस्दीक करो, श्री चुतर्वेदी व मैं प्रधान आरक्षक शंकर एवं थाना से अन्य स्टाफ आरक्षक आशीष तिवारी, कृष्णनारायण मिश्रा, शिशिर सिंह, महिला प्रधान आरक्षक सरिता सिंह, महिला आरक्षक श्रुति सिंह को तलब कर साथ लेकर ईरानी मोहल्ला करीब 11 बजे पहुंचे। उपनिरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी ने मुझसे कहा कि ईरानी मोहल्ले का रास्ता संकरा है, गाड़ी नही जा पाएगी, तुम उतरकर सफेद अपाची के संबंध मे पूछो तब मैं गाडी से उतकर कुछ दूर पैदल जाकर ईरानी मोहल्ला पहुंचा जहां फिरोज अली जाफरी खड़ा मिला, जिससे मैं पूछा कि सफेद अपाची मो.सा. से अभी अभी कोई व्यक्ति ईरानी मोहल्ला मे आया है क्या? और सफेद कलर की रेड पट्टी वाली अपाची मो.सा. ईरानी मोहल्ला मे किसी के पास है तो बताओ, इसी बात पर नाराज होकर फिरोज अली जाफरी मुझको गालियां देते हुए कहने लगा कि मैं ईरानी मोहल्ले का मुखिया हूं, तुम्हारे पता बताने के लिये नही बैठा हूं, जिसे मेरे द्वारा समझाइस दी गयी कि तुमसे मात्र पता पूंछा है, गाली गलौज क्यों कर रहे हो, तब वह हल्ला मचाने लगा, हल्ला सुनकर उसकी बेटी कशिस और सूफिया व उसकी बहन फरीदा बेगम तथा ईरानी मोहल्ले के गुलहसन, सितारा निशा, निगार सुल्ताना, रेशमा खातून, अरफा, खुशरुबा बेगम, मनोहर अली, फिजा बेगम हुसैन अली, अर्शिफी बेगम, साबर हुसैन, सादिर अली, खानू हुसैन व अकरम की घरवाली एवं अन्य तीन-चार लडक़े इक_ा हो गये और सभी लोग फिरोज अली जाफरी का साथ देते हुए मेरे साथ झूमा झपटी एवं धक्का मुक्की कर गालियां देने लगे तब घटना को देखकर श्री चतुर्वेदी व पूरा स्टाफ गाड़ी से उतरकर दौडक़र बीच बचाव कर समझाइस देने लगे, तब वह सभी लोग हाथ में पत्थर लेकर मारने लगे तब पूरा स्टाफ वापस होने लगा फिर भी वह सभी लोग हमारे पीछे आते हुए कह रहे थे कि पुलिस वालो यह ईरानी मोहल्ला है, यहां दोबारा कोई पुलिस वाला आया तो वह लौटकर जिंदा नही जाएगा ।

दूसरे प्रदेशों से आई है पुलिस

आरोपी ने बिलासपुर में 60 लाख से अधिक के जेवरात पार किए हैं, उत्तर प्रदेश के महराजगंज में भी यूसुफ जेवरात की चोरी कर फरार हो गया था। इसके अलावा राजस्थान सहित अन्य राज्य की पुलिस भी इसकी तलाश में लगातार शहडोल जिले के चक्कर लगा रही है। यूपी से सब इंस्पेक्टर पवन कुमार व छत्तीसगढ़ के एसआई रंजीत सोनवानी अपनी पुलिस टीम के साथ दोनों आरोपियों की तलाश में शहडोल आए हुए हैं।

चिकित्सकों को सिखाए गये मैनेजमेंट के गुण

शहडोल। शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक अधिकारियो के लिए आधिकारिक प्रक्रियाओं और नैतिकता पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय में किया गया, उक्त प्रशिक्षण में एकेडमिक चिकित्सको को विशेषज्ञों द्वारा मैनेजमेंट के गुण सिखाए गए। विशेषज्ञों द्वारा मेडिकल कालेज के प्रबंधकीय कार्यों में आने वाली दिक्कतों के समाधान एवं सुचारू प्रबंधकीय कार्यों के गुण चिकित्सकों को सिखाए गए है ,ताकि प्रबंधकीय कार्य के दौरान भविष्य में आने वाली परेशानियों को दूर किया जा सके । प्रशिक्षण देने के लिए डी. सी. सिंघी (पूर्व अपर कलेक्टर, भोपाल), प्रमोद शर्मा (पूर्व निदेशक वित्त, म.प्र. सरकार), मनोज श्रीवास्तव (कॉर्पोरेट प्रशिक्षक) यहाँ आए थे ।इन प्रशिक्षकों द्वारा सामान्य प्रबंधकीय कार्यों के अलावा मुख्य रूप से कार्यालय प्रक्रिया, आचार संहिता, वर्गीकरण नियंत्रण अधिनियम, म.प्र. सरकार, विधानसभा प्रश्न, सी.एम. हेल्पलाइन, आरटीआई, न्यायालय प्रक्रिया, डीडीओ कर्तव्य और जिम्मेदारियां, बजट, सरकार लेखांकन, स्टोर खरीद नियम, पोर्टल, मूल बातें ऑडिटिंग, तनाव प्रबंधन, नैतिकता और टीम वर्किंग जैसे विषयों के बारे में प्रशिक्षित किया गया । विदित हो कि उक्त प्रशिक्षण उद्दयमिता विकास केंद्र म.प्र देश (शेडमैप) के तहत ऐसे प्रशिक्षण समय समय पर आयोजित किए जातें हैं । जिसका मूल उद्देश्य संबंधितों को उनके कार्यों के प्रति दक्ष करना होना है । मेडिकल कालेज में चले उक्त पांच दिवसीय प्रशिक्षण का 21 मार्च को समापन हुआ । समय समय शेडमैप के तहत ऐसे प्रशिक्षणों का आयोजन अलग अलग संस्थाओं में किया जाता है । इसी कड़ी में वर्तमान समय जिले में स्थित मेडिकल कालेज में एकेडमिक कार्य में लगे ऐसे चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया गया है ,जिनके पास अद्धयापकीय कार्य के अलावा अलग अलग शाखाओं के प्रबंधकीय कार्यों की भी जिम्मेदारी है। यहाँ 17 मार्च से शुरू हुआ प्रशिक्षण 21 मार्च को समाप्त हुआ ।

इन्होंने लिया प्रशिक्षण

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर गिरीश बी रामटेक, अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर नागेंद्र सिंह, अस्पताल उप अधीक्षक डॉक्टर विक्रांत कबीरपंथी, सहित 25 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय में अंतरविभागीय फुटबॉल प्रीमियर लीग लीग का शुभारंभ

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में अंतर विभागीय फुटबॉल प्रीमियर लीग का शुभारंभ किया गया। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय खेल एवं शहडोल संभाग के खिलाडिय़ों में फुटबॉल की रुचि एवं फुटबॉल के उच्चस्तरीय प्रदर्शन के दृष्टिकोण से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, अंतरविभागीय फुटबॉल प्रीमियर लीग के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों के फुटबॉल खिलाडिय़ों को सीडिंग प्रदान की गई एवं उसके अनुसार टीमों का निर्धारण किया गया , इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक विभागों से कुल 6 टीमों का चयन किया गया प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.राम शंकर द्वारा कया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभग के विभागाध्यक्ष डॉ.आदर्श तिवारी ने की।
इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने खिलाडिय़ों को शुभकामनाएं ज्ञापित करते हुए प्रतियोगिता में हार जीत की भावना से परे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आवाह्न किया शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आदर्श तिवारी ने इस प्रतियोगिता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी एवं इसकी महत्व को प्रतिपादित किया उन्होंने बताया कि इस संस्था ने कई अंतर्राष्ट्रीय एवं अनेकों राष्ट्रीय खिलाड़ीयों को जन्म दिया है आने वाले समय में यह नवीन विश्वविद्यालय खेलो के क्षेत्र में समृद्धशाली हो इस संदर्भ में यह प्रतियोगिता का आयोजन महत्वपूर्ण है एक सप्ताह तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का विधिवत संचालन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिसमें विभाग के शिक्षक जितेंद्र सिंह, आशीष वर्मा, शुभ सोनी, आकांक्षा शुक्ला, मेघा दुबे एवं विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रतियोगिता शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कच्चे बिलों में सौर ऊर्जा संयंत्र विक्रय के बाद लौटाने से मना

ब्यौहारी। सौर ऊर्जा के नाम पर सरकार जहां सब्सिडी देने के साथ ही इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार में ही करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं कुछ ऐसे कारोबारी भी हैं, जिन पर बिक्री कर विभाग की मेहरबानी पड़ी हुई है और कच्चे बिलों पर सौर ऊर्जा संयंत्र बेचे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में जहां व्यापारियों के द्वारा कर की चोरी की जा रही है, वहीं ब्राण्डेड कंपनियों के नाम पर नकली व दोयम दर्जे के संयंत्र बेचकर ग्राहकों को ठगा जा रहा है। शहर में स्थित न्यू राजू इलेक्ट्रिकल्स के द्वारा कुछ ऐसा ही खेल-खेला जा रहा है, अलग-अलग नामों के बिल काटकर ग्रामीणों को जमकर ठगा जा रहा है, मामले की शिकायत ग्रामीण ने कलेक्टर के साथ बिक्री कर विभाग और पुलिस अधीक्षक कार्यालय को भेजी है।

यह है मामला

जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बसई में रहने वाले पुरूषोत्तम दास साहू ने बताया कि उसके द्वारा न्यू राजू इलेक्ट्रिकल्स से सौर ऊर्जा का संयंत्र 15 मार्च को खरीदा था, जो 16 मार्च को उसके यहां से घर जाने के बाद ही बंद हो गया। जब इसकी जानकारी दुकानदार को दी गई तो, एक ही दिन में मरम्मत के नाम पर पैसे मांगे जा रहे है, यही नहीं कारोबारी के द्वारा अभद्रता भी की जाती है। पीड़ित ने बताया कि दुकानदार का कहना है कि ऐसे सामानों में कोई गारंटी, वारंटी नहीं होती, ग्राम बसई का पुरूषोत्तम साहू अकेला नहीं है, जिसे दुकानदार ने ठगा हो, पूरे मामले की शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

दूसरे नाम का कैश मेमो

पुरूषोत्तम साहू ने सौर ऊर्जा संयंत्र क्रय करने का बिल साझा करते हुए बताया कि उसने न्यू राजू इलेक्ट्रिक्लस से सामान क्रय किया था, लेकिन उसे जीएसटी वाला पक्का बिल नहीं दिया गया, क्रय करने और भुगतान के बाद उसे दूसरे प्रतिष्ठान का कैश मेमो काटकर दिया गया, जिसमें न्यू राजू इलेक्ट्रिक्लस की जगह न्यू राजू इंटरप्राइजेज लिखा हुआ था, ग्रामीण ने आरोप लगाया कि कर चोरी करने के उद्देश्य से इस तरह के कच्चे बिल काटे जाते हैं, जिससे जीएसटी की चोरी आसानी से की जा सके। व्यापारी जीएसटी की चोरी के साथ ही आयकर विभाग का भी कर चोरी करने के उद्देश्य से ही पक्के बिलों की जगह दूसरे नाम से छापे गये सादे बिलों पर बिक्री कर आयकर विभाग की भी चोरी कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

ओलंपियाड प्रतियोगिता में शामिल होकर गोबरी विद्यालय को दिलाया सम्मान

जैतहरी। कुमारी हंसिका आहूजा पिता अमित कुमार आहूजा निवासी जैतहरी शासकीय प्राथमिक विद्यालय गोवरी ने कक्षा पांचवी में अध्यनरत रहते हुए संकुल प्रभारी हर प्रसाद तिवारी व सीएसी जितेंद्र कुमार गुप्ता शिक्षक इमरान खान के कुशल मार्गदर्शन में अंग्रेजी भाषा ओलंपियाड प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर जैतहरी नगर व शासकीय प्राथमिक विद्यालय गोबरी को सम्मान दिलाया।

जमीन विवाद पर महिला पहुंची थाने

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत नवाटोला में रहने वाली महिला माया के द्वारा अपने ही परिजनों के खिलाफ जमीन पर हिस्सा बांट न करने को एवं विवाद किए जाने को लेकर थाना में सूचना दी गई है। बताया जाता है कि भाई के द्वारा बिना किसी हिस्सा बंटवारा के ही जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। मना करने पर विवाद करने सहित अभद्रता का आरोप लगाया जा रहा है।

गाली गलौज कर मारपीट किए जाने के आरोप को लेकर शिकायत दर्ज

कोतमा। थाना अंतर्गत सिलपुर गांव में अपनी बहन के यहां आई महिला मालती को रिश्ते में लगने वाले जीजा के द्वारा बहन से विवाद करने पर मना करना भारी पड़ गया। गुस्साए जीजा के द्वारा अपनी पत्नी के साथ साथ साली मालती को गाली गलौज कर मारपीट किए जाने के आरोप को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

उमरिया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दीपक अग्रवाल एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मोहन डाबर व्दारा जिला जेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल में सभी बैरको में जाकर बंदियों से उनके प्रकरणों मे पेंशी दिनांक, न्यायालय , अधिवक्ता एवं बंदियो की परिजनो से मुलाकात, वीडियो कान्फ्रेंसिंग के संबंध मे पूछताछ की साथ ही बंदियो के बैरक, बिस्तर, स्नानागार आदि का भी निरीक्षण किया । बंदियों को विधिक सहायता की जानकारी देते हुए उनके प्रकरणों में जमानत तथा निजी मुचलका में रिहाई की जानकारी व प्रक्रिया के बारे मे बताया गया। जेल में संचालित स्वरोजगार प्रशिक्षण हिंदी कम्प्यूटर टाईपिंग , खिलौना बनाने, संगीत शिक्षा, सिलाई, भोजन प्रबंध प्रशिक्षण का लाभ लेकर जेल में अनुशासन मे रहने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जेल अधीक्षक डी के सारस सहित उनका स्टाफ मौजूद रहे ।

एक शाम शहीदों के नाम

उमरिया। जन गण स्वाधीनता मंच उमरिया की पहल पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 23 मार्च 2025 रविवार को शहीदों की स्मृतियों को समर्पित कार्यक्रम एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों के सम्मान में आयोजित किया जाता है, ताकि देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों की स्मृति को चिरस्थायी बनाया जा सके। कार्यक्रम का आयोजन उमरिया स्थानीय मंगल भवन प्रांगण, जिला न्यायालय के सामने शाम 5 बजे से होगा। इस अवसर पर मंच पर देशभक्ति की गूंज, कविताओं, गीतों और सम्मान समारोह के माध्यम से शहीदों को नमन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अमर शहीद सरदार उधम सिंह जी के वंशज हरपाल सिंह (संगरूर पंजाब) और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाजीराव पेशवा जी के 14 वें वंशज माननीय प्रभाकर नारायणराव पेशवा उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा विभिन्न कवि गण, गायक एवं सांस्कृतिक कलाकार भी इस आयोजन में शहीदों को अपने शब्द और सुरों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में उन शहीद परिवारों का सम्मान भी किया जाएगा जिन्होंने देश के लिए अपने प्रियजनों का बलिदान दिया। जन गण स्वाधीनता मंच द्वारा यह परंपरा निरंतर निभाई जा रही है ताकि समाज में देशभक्ति की भावना और त्याग का सम्मान बना रहे। ज्ञात हो कि 23 मार्च भारत के इतिहास में एक अमर तिथि है, जिस दिन शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को देश की आजादी के लिए हँसते-हँसते फांसी दी गई थी।

50 करोड़ किसानों को मिल रहा है सम्मान निधि का लाभ: मीना सिंह

उत्पादन बढ़ाकर ही बढ़ती हुई आबादी को खाद्यान्न की पूर्ति संभव : पूर्व सांसद

कृषि उपज मंडी में जिला स्तरीय आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजना अंतर्गत किसान मेले का हुआ शुभारंभ

उमरिया।

देश के 50 करोड़ किसानों को जनधन खातों के माध्यम से किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है । डबल इंजन की सरकार किसानों के कल्याण के हर संभव प्रयास कर रही है। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए तथा किसानों के जीवन में समृध्दि एवं सुविधा का विस्तार करने के लिए जहां केंद्र सरकार व्दारा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दी जा रही है वहीं प्रदेश सरकार व्दारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ दिया जा रहा है । माताओं को लाडली बहना योजना का लाभ दिया जा रहा है । इसके साथ ही कृषि उत्पादन पर समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था , कृषि हेतु ब्याज मुक्त ऋण , फसल बीमा योजना आदि जैसे अनेको योजनाएं संचालित है । किसान भाई सम्मेलन के माध्यम से नई तकनीकों को सीखें तथा उनका लाभ उठाएं । यह विचार मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह ने कृषि उपज मंडी में आयोजित जिला स्तरीय आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजना अंतर्गत किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए । इस अवसर पर कमलेश गुप्ता, पंकज तिवारी, कृषि स्थाई समिति के सदस्य ओमकार सिंह, सोमवती बैगा, केशव प्रसाद सिंह, नत्थू सिह, सुरेश गौरिया, राजेन्द्र तिवारी, माया सिंह , एसडीओ श्री पाटीदार, एसएडीओ एम के दुबे , सहित जिले के उन्नत किसान , जनप्रतिनिधि , पत्रकार तथा कृषि , उद्यानिकी , पशु पालन एवं कृषि यांत्रिकीय तथा मत्स्य पालन का मैदानी अमला उपस्थित रहा ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद ज्ञान सिंह ने कहा कि उत्पादन बढ़ाकर ही बढ़ती हुई आबादी को खाद्यान्न की पूर्ति संभव है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य में मुख्यमंत्री डा मोहन यादव व्दारा खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए हर संभव प्रयास शुरू किए गए है । एक ओर जहां सिंचाई का रकबा बढाया जा रहा है वहीं कृषि तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है । किसानों को उनकी फसल का अच्छा दाम मिल सके इसके लिए मिलेट्स मिशन के तहत मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि जिले के किसान जो उपार्जन के माध्यम से अपने गेहूं का विक्रय करना चाहते है वे 31 मार्च तक किसान गेहूं उपार्जन का पंजीयन सहकारी समितियों , सीएससी एवं एमपीआनलाइन कियोस्क से करा सकते है । उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा किसानों को प्रशिक्षण के साथ ही आधुनिक तकनीकों , कृषि यंत्रों के प्रयोग , उन्नत बीजों के प्रयोग के माध्यम से आगें बढाने का कार्य कर रही है । जिसके सार्थक परिणाम भी आए है । प्रदेश को लगातार कृषि कर्मण आवार्ड से नवाजा जा रहा है ।

जनप्रतिनिधि आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि खेती और विज्ञान का वही संबंध है जो दिया है और बाती का है। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए खेती और विज्ञान को जोडना होगा । खेती की आधुनिक पध्दतियों श्री पध्दति , जायद फसलों का उत्पादन , कृषि यंत्रों का प्रयोग , खाद बीज के संतुलित मात्रा का प्रयोग तथा कृषि की लागत को कम करने के लिए देशी एवं स्थानीय संसाधनों का प्रयोग जरूरी है । प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग किसान अपने खेती में करें और दूसरे किसानों को भी इस हेतु प्रोत्साहित करें ।

मिथिलेश पयासी ने कहा कि मौलिक अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन जरूरी है। आपने कहा कि हम सुविधाओं एवं संसाधनों का लाभ तो लेते है लेकिन खेती को उन्नत करने के लिए जो आवश्यक प्रयास है उस दिशा में पीछे रह जाते है । आपने कहा कि ऐरा प्रथा खेती में सबसे बाधक है । आपने कहा कि गौपालन को बढावा देकर हम खेती से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते है तथा खेती की लागत को कम भी कर सकते है । इस अवसर पर कमलेश गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए । उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी व्दारा जिला स्तरीय आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजना अंतर्गत किसान मेले के संबंध में जानकारी दी गई । कार्यक्रम का संचालकन श्री सिद्दकी व्दारा किया गया।

आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजना लगाई गई प्रदर्शनी

उमरिया। कृषि उपज मंडी में जिला स्तरीय आत्मा एवं मिलेट्स मिशन योजना अंतर्गत आयोजित किसान मेले में विभिन्न विभागों व्दारा अपनी हितग्राही योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसका अवलोकन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, जनप्रतिनिधि आसुतोष अग्रवाल, मिथिलेश पयासी, कमलेश गुप्ता, पंकज तिवारी, कृषि स्थाई समिति के सदस्य ओमकार सिंह, सोमवती बैगा, केशव प्रसाद सिंह, नत्थू सिह, सुरेश गौरिया, राजेन्द्र तिवारी, माया सिंह ने किया । प्रदर्शनी में मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूहो की महिलाओं ने महुआ के लड्डू, बिस्किट, आचार, पापड़ बरी, साबुन, दाल , कृषि विभाग व्दारा विभिन्न कृषि यंत्रों, ओरिएंट पेपर मिल अमलाई, कृषि अभियांत्रिकीय विभाग, लोक स्वा0 यांत्रिकीय विभाग, आयुष विभाग, जल संसाधन विभाग के साथ ही कमल बीज भंडार एवं महाकाल बीज भंडार व्दारा उन्नत बीजों की प्रदर्शनी लगाई गई ।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की प्रदाय की गई जानकारी

उमरिया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर गत दिवस मंगल भवन परिसर उमरिया में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम की सदस्य नीलम खरे के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया है । कार्यक्रम में बी. एस. परिहार जिला आपूर्ति अधिकारी, प्रभा बडक्करे, जागृति प्रजापति कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी उमरिया, कमल डोनाले वित्त प्रबंधक, एन0पी0 स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन, उमरिया मुन्नालाल चौधरी वरिष्ठ सहायक एम0पी0स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन उमरिया, रुपाली भारती, गुणवत्ता निरीक्षक एम0पी0स्टेट सिविल सप्लाईज कापरिशन उमरिया, अभिषेक अग्रवाल, जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन पाली जिला उमरिया, जितेन्द्र गुप्ता अध्यक्ष आजाद उपभोक्ता जागरूक संगठन एवं अनुज सेन सचिव, आजाद जागरूक संगठन एवं गणमान्य उपभोक्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सदस्य उपभोक्ता फोरम ने उपभोक्ताओं को अधिकारों के प्रतिजागरूक बनने और यदि ठगी का शिकार हुए है तो जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण

फोरम में अपना वाद या शिकायत करने हेतु प्रोत्साहित किया । वाद दायर करने की अंत्यन्त सरल प्रक्रिया से अवगत कराया गया । कार्यक्रम में जिला आपूर्ति अधकारी द्वारा उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में वर्णित उपभोक्ताओं अधिकारों के प्रति विस्तृत जानकारी दी गई । उन्होने कहा कि उपभोक्ताओं द्वारा बाजार से जो भी वस्तु या सेवा मूल्य का भुगतान कर प्राप्त की जाती है तो उसकी मात्रा, गुणवत्ता, में कमी पाए जाने पर उसके उपभोक्ताओं को यदि कोई क्षति होती है तो उसकी क्षति की पूर्ति कैसे प्राप्त की जा सकती है, के संबंध में जानकारी जानकारी दी गई। हितग्राहियों को उपभोक्ताओं के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने एवं बाजार से क्रय की गयी सामग्री का बिल/बीज अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी गयी साथ ही यदि कोई उपभोक्ता किसी प्रकार से क्रय की गयी सामग्री के संबंध में ढगी का शिकार हुआ है तो उसकी क्षतिपूर्ति हेतु वह अपना वाद या शिकायत जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम उमरिया में दर्ज कर सकता है। उपभोक्ता हित में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाईन (टोल-फ्री नबर 1800-11-4000) राज्य उपभोक्ता हेल्पलाईन (टोल-फ्री नंबर 1800-233-0046 पर से भी अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आजाद उपभोक्ता जागरूक संगठन के अध्यक्ष जितेन्द्र गुप्ता, द्वारा भी विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए । उपभोक्ता संरक्षण और क्षतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया । कार्यक्रम में उपभोक्ता गौत, टिकाउ जीवन शैली के लिए उचित बदलाव किए जाने की संकल्प के साथ सभी अतिथियों के आभार पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया ।

घर में अचानक निकला कोबरा सांप, मचा हडकंप

कोतमा।

नगर के वार्ड क्रमांक 15 लहसुई गांव में शनिवार की दोपहर मो अतीक के घर में अचानक 6 फीट के जहरीले प्रजाति के कोबरा सर्प के निकले जाने से पूरे परिजनों में हड़कंप मच गया। आनंन फानन में सूचना सर्प प्रहरी हरिवंश पटेल को दी गई। जिसके बाद हरिवंश पटेल के द्वारा 2 घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा सर्प को काबू में करते हुए सुरक्षित जंगल की ओर ले जाया गया। हरिवंश पटेल ने बताया कि गांव के किनारे नदी एवं जंगली क्षेत्र होने के कारण जहरीले जीव जंतुओं की गतिविधियां बनी रहती है किसी भी घर में सर्प सहित जीव,जंतु निकलने पर तत्काल सूचना दें एवं किसी प्रकार से क्षति ना पहुंचाएं।

अल्पावधि रोजगार उन्मूखी 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। छात्र-छात्राओं में संप्रेषण कौशल तथा आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम आवश्यक है। यह विचार शासकीय आदर्श महाविद्यालय में आयोजित 20 दिवसीय अल्पावधि रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सी.बी.सोंधिया द्वारा व्यक्त किए गए स विदित हो कि 24 फरवरी से 22 मार्च तक 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आदर्श महाविद्यालय में उद्यमिता विकास केंद्र मध्य प्रदेश सेडमैप के सहयोग से ,मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ टी पी ओ प्रभारी श्री शिव कुमार हल्दकार के नेतृत्व में आयोजित किया गया स व्यक्तित्व विकास व संप्रेषण कौशल प्रशिक्षण तथा कंप्यूटर स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम सेडमैप जिला प्रभारी चौधरी शकील अहमद जिला समन्वयक एवं सहयोग से अखिलेश कंप्यूटर श्रीमती गोल्डी सोनी प्रशिक्षक के कुशल प्रशिक्षण में महाविद्यालय में आयोजित किया गया। महाविद्यालय में कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास के सहयोग के लिए डॉ नियाज अहमद अंसारी , संप्रेषण कौशल डॉ राजीव तिवारी एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए सुनील हिरवे का विशेष सहयोग रहा स उद्यमिता विकास केंद्र के सहयोग से 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के 32 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । प्रशिक्षण के बाद छात्रों ने द्वारा शिव कुमार लोनी ,लवली बर्मन ,नंदिनी साहू ,खुशी कोल ,ज्ञानवती पनिका ,दिव्या सिंह,ममता मरावी,निर्मल सिंह ,सारिका ,संध्या सिंह ,राजकुमारी धुर्वे आदि विद्यार्थियों ने अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुभवों को कार्यक्रम के दौरान साझा किया स छात्र-छात्राओं में व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता ,निकट भविष्य में विभिन्न प्रकार के साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षण , संप्रेषण कौशल की आवश्यकता के साथ कंप्यूटर जागरूकता विभिन्न विषय पाठ्यक्रम का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय में आयोजित करने में महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ अनुपम सिंह , डॉ परिणीता त्रिपाठी, डॉ जुगल किशोर चौधरी सहित महाविद्यालय परिवार के डॉ अरुणेंद्र बहादुर सिंह डॉ पिंकी सोमकुंवर , डॉ विजय डाबर , डॉ स्वराज पाल , डॉ रिचा तिवारी , डॉ राजेंद्र प्रसाद , डॉ ब्रह्मानंद शर्मा सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा ।

जमुनिहा तालाब में की गई साफ सफाई

जमुना/बदरा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अनूपपुर के नेतृत्व में से.क्र. 4 के अंतर्गत ग्रा. प. प्यारी न.2 के जमुनिहा तालाब में विश्व जल दिवस के अवसर पर तालाब की साफ सफाई कार्यकम आयोजन किया गया। आज के इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था पसान से दशरथ सिंह परामर्शदाता श्रीमती शिवानी सिंह प्रस्फुटन समिति प्यारी न. 2 एवं भलवाही समिति सदस्य सीएमसीएलडीपी छात्र पारसराज, स्वाति गुप्ता, मीना केवट, आकांक्षा, शुभम उपस्थित रहे।

आज हम जल के लिए नहीं जागेंगे तो कल जीवन के लिए जागना पड़ेगा -ओंकार सिंह

कोतमा।

कोतमा विकासखंड अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 4 के ग्राम चंगेरी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवंकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के बैनर तले विश्व जल दिवस पर जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक जल संकट विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया सर्वप्रथम मां बिणा पाणी की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभा अध्यक्ष उद्बोधन में सारि मन साकेत विकासखंड समन्वयक कोतमा ने बताया कि जल संकट में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी भूमिका निभा रहा है लगातार बढ़ते तापमान के कारण बर्फ के ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिसमें मीठे जल स्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं सूखा बाढ़ और अनियमित

वर्षा जैसी आपदाएं अब सामान्य हो गई हैं नवाकुर प्रतिनिधि ओंकार सिंह ने बताया कि आज हम जल के लिए नहीं जागेंगे तो कल जीवन के लिए जागना पड़ेगा आज का दिन केवल एक दिन नहीं बल्कि हमें हमारे जीवन के महत्वपूर्ण तत्व जल की महत्वता और उसके संरक्षण की आवश्यकता का स्मरण करता है समस्या बड़ी है लेकिन समाधान भी हमारे हाथ मे है छोटे-छोटे कदमों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं मेंटर्स मोहम्मद नजीर खान ने बताया कि आज विश्व में कई देशों में लाखों करोड़ों लोग स्वच्छ पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं गांव में महिलाएं और बच्चे मिलो दूर से पानी लाते हैं कई स्थानों पर पानी के स्त्रोत बंद हो गए हैं नदियां सिकुड़ गई हैं भूजल नीचे स्तर पर पहुंच गया है इसके लिए हमको चिंतन करने की आवश्यकता है कार्यक्रम का संचालन प्रभा महारा सी. एम. एल. सी. डी. पी. छात्र ने किया तथा आभार क्षमतिया सिंह अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चंगेरी ने किया कार्यक्रम मे 25 लोग उपस्थित थे।

भालूमाड़ा पुलिस ने गुम इंसान दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

भालूमाड़ा।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा गुमइंसान क्रं. 23/2024 दिनांक 05/03/2025 को फरियादी सूचनाकर्ता सूरज घसिया पिता मानसाय घसिया उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम छोहरी थाना भालूमाड़ा का रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसकी लड़की प्रीति घसिया पिता सूरज घसिया उम्र 20 वर्ष निवासी छोहरी की 04/03/2025 को रात्रि करीबन 10 बजे घर में बिना बताये कहीं चली गई है की रिपोर्ट पर गुम इंसान सदर कायम कर गुमसुदा की पता तलाश की गई दौरान पता तलास गुमशुदा प्रीति घसिया को उसके घर ग्राम छोहरी से दस्तयाब कर वापस लाये तथा उसके परिजन पिता को सुपुर्द किया गया।

खबर संक्षेप

10 वाहन चालकों पर 5 हजार रूपए का जुर्माना

कटनी। यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही की गई है। यातायात जुहला चौकी प्रभारी मोनिका खड़से ने बताया कि जो वाहन चालक यातायात के नियमों का उलंघन करते पाए गए उनके विरुद्ध सघन जांच कार्यवाही की गईं और जिन वाहन चालको के पास वाहन से सम्बंधित दस्तावेज पूर्ण ना मिलने पर व माल वाहकों पर ओवर लोड कर चल रहे उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गईं। इस कार्यवाही में 10 वाहनों के चालन काटे गए और 5 हजार रूपये का जुर्माना शुल्क वसूल किया गया।

12वी में टॉप करने छात्र छात्रा को मिली स्कूटी

सिलौंडी। बड़वारा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम कटारिया में विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, मंडल अध्यक्ष मनीष बागरी के मुख्य आतिथ्य में कटरिया शासकीय स्कूल में टॉप करने वाले प्रथम छात्र ,छात्रा को स्कूटी प्रदान की गई । विधायक ने स्कूल के भवन का भी निरीक्षण किया । शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से चर्चा कर भवन की मरम्मत बारिश से पहले कराने का निर्देश दिया है । इस दौरान सरपंच तारा बाई हीरा, देवी सिंह साहू ,आशीष राय ,संतोष साहू,नारायण ,राकेश ,राजेश , सहित स्कूल स्टाफ की उपस्थिति रही है ।

अग्निवीर थल-सेना भर्ती रैली की बैठक 24 को

कटनी। अग्निवीर थल-सेना भर्ती रैली आयोजन से संबंधित बैठक सोमवार 24 मार्च को समय-सीमा बैठक के पश्चात कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गयी है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, डीएफओ सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को बैठक मे मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।

स्टॉप डैम कम रपटा काजवे निर्माण की मांग

कटनी। विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कटनी जिले के विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जगुआ के नैगवा हार के जल्दा नाले एवं ग्राम गोईंद्रा में कटनी नदी के मराघाट पर ,ग्राम बरनमहगवां के अमरावता नाला में तथा ग्राम हथेड़ा से रजरवारा महानदी पर ,ग्राम बरमानी के मुसरा नाला पर स्टाप डैम कम रपटा काज्वे निर्माण कराए जाने की क्षेत्रवासियों की ओर से शासन से मांग की है । याचिका के माध्यम से श्री पाठक ने बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में पानी को न रोके जाने से बरसात के दिनों में पानी से भरे रहने वाले स्थानीय नालों के साथ नदिया गर्मियों आते आते सूख जाती है। क्षेत्र के उपरोक्त ग्रामों की नदियो एवं नालों में स्टॉप डैम कम रपटा काज्वे का निर्माण कराये जाने का अनुराध किया है। विजयराघगढ़ क्षेत्र में बहुत से स्थानीय नदी नाले निकलते है जिनमें साल के अधिकतर समय पानी की धार बनी रहती हैं पर इनमें कोई भी स्टॉप डैम नहीं बना है। ऐसे में बारिश में एकत्रित हुआ पानी बहाव के साथ बह जाता है। जिसके कारण ज्यादातर इलाकों में गर्मियों के मौसम में जलसंकट दस्तक देता है। जिससे कृषि भूमि सिंचित नहीं होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। इन सभी जगहों पर स्टॉप डैम कम रपटा काज्वे निर्माण होता है तो भूमि का वाटर लेबल ऊपर आने के साथ ही रोक गए पानी से रबी और खरीफ दोनों ही सीजन में हजारों हेक्टेयर जमीन सिंचित होने के साथ क्षेत्र के लोगों को पेयजल की सुविधा मुहैया हो सकेगी। रपटा काज्वे निर्माण से अनेक ग्रामों से सीधा सम्पर्क जुड़ जायेगा और स्कुली बच्चों, एम्बूलंस, तथा आम जनमानस को आवागमन में आसानी रहेंगी।

शहीद दिवस पर आज बुढार की शाम, हरियाणा के करगिल योद्धा लांस नायक दीपचंद के नाम

क्रांतिकारियों, वीर सपूतों को देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों से देंगे श्रद्धांजलि

बुढार।

आज कालेज तिराहे पर शहीदों के सम्मान व श्रद्धांजलि के प्रति समर्पित संभाग ही नहीं अपितु प्रदेश स्तर पर शहडोल जिले के कोयलांचल नगरी में होनें वाले सबसे बड़ा कार्यक्रम "एक शाम शहीदों के नाम" की तैयारियां पुरी हो चुकी है।

रविवार को जिले के जनमानस में प्रतिवर्ष की तरह उत्साह है वहीं कार्यक्रम समूचे जिले को रन करता है, इस कार्यक्रम में देश की आजादी में हिस्सेदार बनें उन तमाम क्रांतिकारियों, वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देकर न सिर्फ़ उन्हें याद किया जाता है बल्कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन क्रांतिकारियों के परिजनों से मुलाकात कर उन तमाम पहलुओं को आमजन से साझा करना जिससे आमजनों तक देश भक्तों का स्मरण व स्वागत फुलों से करेंगे।

आज शिरकत करेंगे लांस नायक दीपचंद जिन्हों ने देश के लिये गंवा दिये दोनों पैर व एक हाथ

रविवार 23 मार्च को होनें जा रहे इस कार्यक्रम में लांस नायक दीपचंद जी शिरकत करेंगे। नायक दीपचंद जी देश के प्रति अपना जीवन समर्पित कर देनें वाले उन क्रांतिकारियों में से एक है जिनके

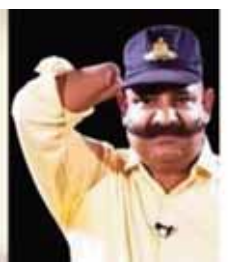

पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हरियाणा के हिसार निवासी दीपचंद जी वर्ष 1989 में सेना में भर्ती हुये थे। दीपचंद जी नें खुफिया विभाग में काम करते हुये कश्मीरी लैंग्वेज कोर्स करनें के बाद ड्यूटी ज्वाइन की थी। रिटायर्ड लांस नायक दीपचंद जी को 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान टाइगर हिल में तैनात किया गया था। कारगिल युद्ध में मिसाइल रेजीमेंट का हिस्सा रहे दीपचंद जी नें आपरेशन विजय में तोलोलिंग के ऊपर सबसे पहला गोला दागा था। इन्होनें करीब आठ आतंकवादियों को मौत के घाट उतारनें में अहम रोल अदा किया था। टाइगर हिल के 17 हजार फिट की ऊंचाई पर दीपचंद जी नें न सिर्फ दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिये और हौसला तोड़ा बल्कि अपनें साथियों की जान भी बचाई।

तोप का गोला फटने से हुये थे जख्मी, खाना नहीं गोला-बारुद की करते थे मांग

कारगिल युद्ध के दौरान तोप का गोला फटनें से दीपचंद जी बुरी तरह जख्मी हो गये थे, यह हादसा उस समय हुआ जब जब दीपचंद जी और उनके साथी आपरेशन पराक्रम के दौरान वापसी के लिये सामान बांधनें की तैयारी कर रहे थे। बुरी तरह से जख्मी दीपचंद्र जी के बचनें की उम्मीद कम ही थी। डॉक्टर उनका लगातार ईलाज कर रहे थे और उन्हें बचानें के लिये डॉक्टरों को उनकी दोनों टांगो और एक हाथ को काटना पड़ा। इस दौरान उनका इतना खून बहा कि उन्हें बचाने के लिये 17 बोतल खून चढ़ाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक दीपचंद जी को जब उनके साथी सप्लाई देनें आते थे तो वह उनसे कहते थे कि उन्हें खाना मिले या न मिले गोला बार बारुद ज्यादा से ज्यादा मिलना चाहिये। उनकी बटालियन नें 10 हजार राउंड फायरिंग की। और उनकी बटालियन को 12 गैलेन्टरी अवार्ड मिले और कारगिल जीतनें का सौभाग्य मिला। भूतपूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत द्वारा दीपचंद जी को उनकी बहादुरी के लिये "कारगिल योद्धा" की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में लांस नायक दीपचंद जी "आदर्श सैनिक फाउंडेशन" के जरिये ड्यूटी के दौरान विकलांग हुये सैनिकों के कल्याण के लिये काम करते हैं।

शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है कार्यक्रम का आयोजन

गौरतलब है कि बीते लगभग एक दशक से शहीदों को याद करते हुये उनके सम्मान में होनें वाले इस कार्यक्रम का आयोजन शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन के नेतृत्व और आमजनता व युवाओं की सहभागिता से प्रत्येक वर्ष शहीदी दिवस 23 मार्च को किया जाता है।

इस वर्ष 23 मार्च 2025 दिन रविवार को कोयलांचल नगरी बुढार के तहसील ग्राउंड में "एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस कार्यक्रम को लेकर जहां जनमानस में उत्साह है वहीं इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। शहीद भगत सिंह यूथ फाउंडेशन नें इस मौके पर आमजनों को आमंत्रित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देनें व कार्यक्रम को सफल बनानें की अपील की है।

शहडोल तकनीकी टीम इंदौर में सम्मानित

शहडोल। प्रोत्साहन 7.0 कार्यक्रम के तहत जेके सीमेंट शहडोल की तकनीकी टीम को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इंदौर में आयोजित एक समारोह में, शाखा प्रबंधक आकाश सिंह तिवारी और तकनीकी अधिकारी रोहित सोनी, मनीष तिवारी, सोनू साहू, आकाश कुशवाहा और प्रशांत रैले को क्लस्टर हेड सिद्धार्थ कोठिया और जोनल हेड काशिफ खान द्वारा सम्मानित किया गया। शहडोल तकनीकी टीम ने सीमेंट की गुणवत्ता और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए लगातार उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने ग्राहकों को तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर, आकाश सिंह तिवारी ने राज्य प्रमुख सुधीर मिश्रा और जेके सीमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ बधाई देने वाले सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का परिणाम है। जेके सीमेंट के क्लस्टर हेड सिद्धार्थ कोटिया ने कहा, हम अपनी शहडोल तकनीकी टीम को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सम्मानित करते हुए प्रसन्न हैं। उन्होंने कंपनी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह सम्मान जेके सीमेंट के कर्मचारियों को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

मिलीभगत कर लाखों का भ्रष्टाचार, जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के ग्राम कटारिया प्रवास के दौरान ग्रामीणों ने ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत महागवां देगवा के मनरेगा कार्यों की अनियमितताएं होने के मामले की जांच करने मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि मिलीभगत से ग्राम पंचायत महगवां देगवा मे मनरेगा के तहत बॉउंड्री बॉल निर्माण , तालाब जोड़ीद्वार एवं नाला तट सुंदरीकरण निर्माण कार्य में व्यापक अनियमितता वा भ्रष्टाचार किया गया है । बाउंड्री बॉल निर्माण कार्य केवल 80 mm में कराकर 110mm की राशि आहरित कर लिया गया। तालाब जोड़ीद्वार निर्माण कार्यों में लाखों रुपए का फर्जी बिलों के माध्यम से व्यापक गबन कर लिया गया । नाला तट सुंदरीकरण निर्माण कार्यों में बिना कार्य कराए फर्जी बिल लगाकर कई लाखों रुपए का गबन अपने निजी स्वार्थ हेतु किया गया

इंश्योरेंस एम्प्लाईज यूनियन का 30 वां वार्षिक अधिवेशन भव्य रूप से प्रारंभ

शहडोल।

डिवीजन इंश्योरेंस एम्प्लाईज यूनियन शहडोल का 30 वां वार्षिक अधिवेशन 22 मार्च को शुभम पैलेस शहडोल में भव्य रूप से प्रारंभ हुआ । 22 मार्च को सम्मेलन का आगाज़ शानदार रैली के साथ हुआ। रैली की अगुआई आदिवासी क्षेत्र के शानदार शैला नृत्य कर रहा था । रैली गगंभेदी नारों के साथ शुभम पैलेस से दोपहर 1 बजे आयोजन स्थल से प्रारंभ होकर जैन मंदिर , गाँधी चौक , इंदिरा चौक, ईदगाह रोड होते हुए आयोजन स्थल शुभम पैलेस में विशाल आम सभा के रूप में परिवर्तित हो गई । सम्मलेन के उद्घाटनकर्ता अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ के सहसचिव एवं सीजेडआई के महासचिव काम. धर्मराज महापात्र, मुख्य अतिथि अजीत केतकर, सहसचिव काम. व्ही.एस. बघेल, कोषाध्यक्ष काम. संदीप सोनी, स्वागत समिति के अध्यक्ष इप्टा के राष्ट्रीय समीति के सदस्य काम. विजय नामदेव , प्रथम श्रेणी अधिकारी संघ के प्रतिनिधि, लियाफी के महासचिव काम. दिनकर तिवारी, जनता यूनियन से काम. के. डी. द्विवेदी, कर्मचारी संगठन से काम. शरद पटेल, शहडोल जिला पेंशनर एसोसिएशन के प्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, आंगनबाड़ी महिला साथी, पोस्टल से काम. एस. आर. पूरी एवं काम. ए. आर. नापित, पेंशनर आर. के. खत्री, काम. विजय उपाध्याय (महामंत्री), अभिकर्ता साथी काम. संजय मिश्रा, कुरैशी, शत्रुघन पाण्डेय, रेलवे यूनियन से काम. ए. के. मोहंती, किसान सभा से काम. रामनाथ यादव, प्रथम श्रेणी अधिकारी साथी, विकास अधिकारी साथी, विरादराना ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी एवं शहडोल डिवीजन इंश्योरेंस इम्प्लाइज यूनियन के समस्त कर्मचारी तथा पेंशनर साथी एवं दैनिक वेतनभोगी साथीगण शामिल हुए ।

काम. अब्दुल हफीज खान अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण कर 30 वें वार्षिक अधिवेशन का विधिवत शुभारंभ किया गया एवं उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने शहीद वेदी पुष्प अर्पित किये । उपस्थित लोगों के द्वारा अमर शहीदों की जनघोष के नारे एवं एक मिनिट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई । काम. अब्दुल हफीज खान की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई । स्वागत समिति के अध्यक्ष काम. विजय नामदेव द्वारा स्वागत भाषण एवं काम. अब्दुल हफीज खान द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया उद्घाटनकर्ता काम. धर्मराज महापात्र महासचिव द्वारा सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की जनविरोधी एवं श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ तथा श्रम कानूनों में किए जा रहे बदलाव का तीव्र विरोध करते हुए कहा कि 18 मार्च को केंद्रीय ट्रेड यूनियनो6 एवं अन्य श्रमिक संगठनों द्वारा दिल्ली के राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रसरकार के इन कदमों का तीव्र विरोधकिया एवं इअसके खिलाफ विभिन्न आंदोलनात्मक कार्यक्रम तय किए गए हैं । सरकार द्वारा श्रम कानूनों में बदलाव के खिलाफ दिनांक 20 मई 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का निर्णय लिया गया है । अभी हाल ही में देश की वित्त मंत्री के द्वारा पेश किए गए बजट में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की घोषणा की गई है । भारत सरकार का यह निर्णय पूरी तौर पर अनुचित है और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कीमती संसाधनों को जुटाने और अपने नागरिकों के प्रति राज्य के दायित्व को पूरा करने के लिए इसके गंभीर परिणाम होंगे । आल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसियेशन की ओर से हमने इसे वापस लेने की मांग की है और इसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन आयोजित किये हैं । उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में आईआरडीए विधेयक के पारित होने के साथ ही बीमा क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण समाप्त किया गया था । इस अधिनियम के जरिये उसके बाद निजी भारतीय पूंजी को विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी में बीमा उद्योग में काम करने की अनुमति दी। उस समय एफडीआई की सीमा 26 प्रतिशत तक सीमित था, फिर इसे बढाकर वर्तमान सरकार ने ही पहले 49 और तब से इसे बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया है और इसे वे अब 100त्न करने की घोषणा किये हैं. सरकार ने यह प्रस्ताव भी वित्त विधेयक के साथ पेश किया है जबकि इसका वित्त विधेयक से कोई संबध नहीं है, याने सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर भी संसद में कोई चर्चा नहीं चाहती है। वर्तमान सरकार केवल पूंजीपतियों के लिए काम करती है । पूंजीपतियों के दबाब में केंद्र सरकार ने नकारात्मक आर्थिक परिवेश में भी एलआईसी में आईपीओ के शेयर बढ़ाए जाने का फैसला लिया । यह फैसला देशहित के विरुद्ध है । इसलिए हमारी मांग है कि एलआईसी के आईपीओ का फैसला वापस हो । आईपीओ के माध्यम से सार्वजनिक संस्थाओं को उद्योगपतियों के हाथों बेचा जाता है एवं जनता के धन, जिसका उपयोग वास्तव में देश के विकास एवं आमजन तथा पॉलिसीधारकों के हित में किया जानाचाहिए, उसका प्रयोग उद्योगपतियों एवं विदेशी निवेशकों को लाभ प्रदान किए जाने हेतु किया जाता है । यह निजीकरण की ओर ले जाने का पूरा प्रयास है । हमने एल आई सी की प्रगति के बाद भी घटते कार्यबल पर चिंता व्यक्त करते हुए एल आई सी में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में नई भर्ती की मांग की है ताकि बीमाधारकों को बेहतर सेवा को और सक्षम बनाया जा सके और देश के बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं को रोजगार का अवसर भी मिल सके. हमने साथ ही प्रचंड बहुमत का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी हमारे संगठन को मान्यता न देने का विरोध किया है और इन दोनों मांगों पर 20 फरवरी को बहिर्गमन हड़ताल भी की थी।

महासचिव काम. धर्मराज महापात्र द्वारा स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार श्रम कानूनों में तब्दील कर श्रमिक वर्ग को एक बार फिर मालिकोंके गुलामी की ओर धकेलेने का कुचक्र चला रही है , जिसका हर कीमत पर पुरजोर विरोध करना है । सभी मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के उद्बोधन एवं गगंभेदी नारों के साथ सभी श्रमिक वर्गों को ऊर्जा से भर 30 वें सम्मेलन ने शहडोल नगर को संघर्षहेतु एक नई दिशा प्रदान किया । सभा का सफल संचालन काम. शुभम श्रीवास्तव , संयोजक स्वागत समीति द्वारा किया गया एवं महासचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया । शाम 5 बजे उद्घाटन सभा का समापन हुआ । इसके पश्चात प्रतिनिधि सत्र प्रारंभ हुआ जो 23 मार्च को पुनः प्रातः 9.30 से निरंतर जारी रहेगा ।

विश्व जल दिवस पर विश्वविद्यालय में आयोजित हुए कार्यक्रम

शहडोल।

22 मार्च को विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग नीलिमा खरे के मार्गदर्शन में विश्व जल दिवस मास्टर ऑफ सोशल वर्क छात्रों एवं प्राध्यापकों के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा आयोजित की गई। सबसे पहले छात्रों ने अपने विचार रखे एवं उद्देश्य की स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी अपने मंतव्य रखे । विश्व जल दिवस 2025 का विषय ग्लेशियर संरक्षण है। ग्लेशियर जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विजिटिंग फैकल्टी नितिन गर्ग जी ने चर्चा के शुरुआत में अमरकंटक जो नर्मदा, सोन एवं जोहिला जैसे प्रमुख नदियों के उद्गम तथा शहडोल जो अपने आप में पूरे भारत में जल संरक्षण का बहुत बड़ा उदाहरण है । ज्यादा ढाल होने कारण यहां जल नहीं रुक पाता इसीलिए रामायण काल से ही तालाब निर्माण कार्य होता आया है । ऐसी किंवदंती है कि प्रथम दशानन रावण ने भी अपने तपस्या के दौरान दस तालाबों का निर्माण करवाया था । बाद में महाभारत काल में पांडवों ने भी अज्ञात वास के दौरान विराट नगर की समृद्धि के लिए लगभग 350 तालाब का निर्माण करवाया जिससे की यह नगर जीवित रहे । 18 वीं एवं 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र एवं कोलकाता में यहां के तालाबों से प्राप्त मछली के बीजों का बड़ा व्यापार होता था उससे भी तलाब संरक्षित रह पाए । मगर वर्तमान स्थिति बहुत दयनीय होती जा रही लगातार तालाबों का अतिक्रमण होता चला आया और भविष्य सूखे का प्रकोप झेलने जैसी स्थिति निर्मित होने की कगार पर की आस पास क्षेत्रों से कोयले भी निकलते जा रहे जो जल संरक्षण और शुद्धिकरण का प्राकृतिक श्रोत है। अज्ञानता, पलायनवादी विचारधारा और भौतिकवादी सोच के हावी होने कारण जल श्रोत का अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है । बोरिंग से भी जल तभी निकलेगा जब जमीन स्तर पर जल हो उसके लिए या तो नदियों की आवश्यकता या तालाबों की और खाली जमीनों की जहां पे जल रुक सके । तालाब को जीवित रहने के लिए दल - दल की भी आवश्यकता होती है क्योंकि दल-दल जल को लंबे समय तक अपने अंदर संरक्षित रखते है । उदाहरण के तौर मोहन राम तालाब के आस पास 4 से 5 दल - दल हुआ करते थे और उसमें जल सदैव मौजूद रहता था । वर्तमान में केवल एक दल - दल शेष जिससे के अब जल्द ही वह सुख जाता है । विजिटिंग फैकल्टी अर्पित जी द्वारा बताया के ग्लेशियरों के पिघलने के पीछे कई प्राकृतिक और मानवजनित कारण होते हैं। ये कारण जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान वृद्धि और पर्यावरणीय असंतुलन से जुड़े हुए हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। जीवाश्म ईंधन के जलने से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे धरती का तापमान बढ़ रहा है। ग्रीनहाउस गैसें पृथ्वी के ऊष्मा संतुलन को बिगाड़ रही हैं। वातावरण में बढ़ता कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का प्रमुख कारण है। मौसम चक्र में बदलाव के कारण कुछ क्षेत्रों में अधिक गर्मी और कम बर्फबारी हो रही है। ग्लेशियरों को पुनर्भरण करने वाली बर्फ की मात्रा घट रही है, जिससे वे तेजी से पिघल रहे हैं। जंगलों के कटने से वातावरण में कार्बन गैसों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान में वृद्धि हो रही है।उद्योगों से निकलने वाला धुआं और गैसें जलवायु को प्रभावित कर रही हैं। शहरीकरण के कारण प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र प्रभावित हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का संतुलन बिगड़ रहा है। वाहनों, फैक्ट्रियों और जंगल की आग से उत्पन्न कार्बन कण ग्लेशियरों पर जम जाते हैं। डॉ चंद्रकांत त्रिपाठी जी विश्व जल दिवस के जल के नए स्रोतों का निर्माण एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग और नवीन तकनीकों का समावेश किया जाता है। जल संकट को कम करने के लिए भूजल पुनर्भरण वर्षा जल संचयन बारिश के पानी को इक_ा कर उसे भूजल स्तर में पुनर्भरण किया जा सकता है। तालाब और कुएँ पुनर्जीवित किया जा सकता छतों से जल संग्रह कर भूमिगत टैंकों में स्टोर कर सकते हैं। नए जल स्रोतों का निर्माण

आर्टिफिशियल जलाशयों का निर्माण कर जल संरक्षण किया जा सकता है। चेक डैम और स्टोरेज टैंक नदियों और नालों पर छोटे बांध बनाकर जल भंडारण किया जा सकता है।झरनों और छोटे जल स्रोतों , पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्रोतों को संरक्षित कर जल उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है। अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट जल को शुद्ध कर कृषि और अन्य उपयोगों में लिया जा सकता है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा जल को दोबारा उपयोग योग्य बनाया जा सकता है। वनीकरण और जलवायु सुधार अधिक वृक्षारोपण से वर्षा को आकर्षित किया जा सकता है और भूमि की जल धारण क्षमता बढ़ाई जा सकती है। नदियों का पुनरुद्धार और संरक्षण नदियों की सफाई, अवैध खनन पर रोक और नदी पुनर्जीवन परियोजनाओं से नए जल स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। नदी से जुड़े जलग्रहण क्षेत्रों में सतत विकास कार्यक्रम चलाकर जल संरक्षण किया जा सकता है।ग्रामीण और शहरी जल प्रबंधन योजनाएँ

सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा जल संरक्षण और जल स्रोत निर्माण की नीतियाँ लागू की जानी चाहिए। सामुदायिक भागीदारी द्वारा जल स्रोतों की सुरक्षा और रखरखाव को बढ़ावा दिया जा सकता है इस दौरान आकांक्षा गुप्ता, अंजलि गुप्ता, वंदना नापित, अंकिता गुप्ता, किशन बेगा, रोहणी बंजारा, संजना धीमर,शुषमा यादव, शालिनी चतुर्वेदी, टीकबती, देवबती, पुष्पलता सिंह, कंचन सिंह भदोरिया, युविका सिंह परिहार,संदीप प्रजापति,आयुष मिश्रा, पंकज सिंह उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

जंगली सुअरों के आतंक से परेशान किसान, गेहूं की फसल को कर रहे बर्बाद

अनूपपुर। नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 1 में जंगली सूअरों का आतंक किसानों के लिए अभिशाप बन गया है। इन जंगली जानवरों के झुंड रात के अंधेरे में खेतों में घुसकर गेहूं की फसलों को नष्ट कर रहे हैं, जिससे किसानों की मेहनत और आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। किसान द्वारा पशुओं एवं वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए लगाई गई जाली नुमा फेंसिंग भी इन सूअरों को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। किसान का कहना है कि उनकी शिकायतों के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा, स्थानीय किसान के अनुसार, जंगली सूअर रात के समय बड़े झुंडों में खेतों में घुस आते हैं और गेहूं की फसलों को रौंदकर बर्बाद कर देते हैं। उनका कहना है कि हम दिनभर खेतों में मेहनत करते हैं, लेकिन रात होते ही ये सूअर सब कुछ नष्ट कर देते हैं। उन्होंने बताया कि इस साल उनकी फसल का बड़ा हिस्सा पहले ही नष्ट हो चुका है, और अगर यही स्थिति रही तो उनकी आर्थिक हालत और खराब हो जाएगी। किसानों ने इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को सूचित किया है, लेकिन उनकी शिकायतें कागजों तक ही सीमित रह गई हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम हो रहा कामर्शियल उपयोग

कलेक्टर के आदेश को ठेंगा दिखाते कारोबारी

बेखौफ कारोबारियों के चलते सरकार को राजस्व का हो रहा नुकसान

अनूपपुर। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में खाद्य पदार्थों को मिलावट से मुक्त करने जिले में मिलावट से मुक्ति अभियान चलाया गया था। जो मात्र अभियान ही बनकर रह गया। अभियान के बाद प्रशासन के द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है, लेकिन जिले में कार्यवाही न होने की वजह से मिलावट एवं कमर्शियल उपयोग के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का खुलेआम होटल ढाबा एवं ठेलों में उपयोग किया जा रहा है। जिले में व्हाइट रिफलिंग का कारोबार जोरों पर है प्रशासन पुलिस से लेकर खाद्य आपूर्ति विभाग की नाक के नीचे घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे गैस सिलेंडरों में गैस भरने का काम जारी है। इतना ही नहीं घरेलू गैस सिलेंडर का धड़ले से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है जो कभी भी किसी बड़े खतरे का कारण बन सकता है। इससे राजस्व की भी भारी छाती हो रही है, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नगर से लेकर कोयलांचल एवं ग्रामीण इलाके में अधिकतर होटल मिठाई व चाय की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडर का सरेआम इस्तेमाल हो रहा है। बावजूद इसके ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही। दूसरी ओर नियम यह है कि इस तरह के प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस की बजाए कामर्शियल सिलेंडरों का उपयोग किया जा सकता है। कई सालों से घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक कामों में धड़ले से उपयोग हो रहा है। इन सिलेंडरों पर सब्सिडी जारी होने के बावजूद उनके व्यावसायिक उपयोग पर प्रतिबंध नहीं लग पाया है। कई होटल संचालकों ने व्यावसायिक गैस के कनेक्शन ले रखे हैं] वहां उनकी खपत हर महीने चार से पांच सिलेंडर की है मगर वह व्यावसायिक सिलेंडर की बजाय घरेलू सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि कुछ होटल और चाय की दुकान चलाने वालों ने व्यावसायिक सिलेंडर के कनेक्शन लिए हुए हैं मगर यह भी बड़े सिलेंडरों की बजाय घरेलू गैस सिलेंडरों का प्रयोग कर रहे हैं। यहां दुकानदार भी उपयोग के वक्त सिलेंडरों को छिपाकर रखते हैं सिलेंडर में बोरी ढक देते हैं ताकि कोई देख ना सके। ऐसे में सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अपने फायदे के फेर में चला रहे अवैध कारोबार

अवैध रिफलिंग का धंधा गैस चूल्हे व स्पेयर पार्ट्स बेचने वाली दुकान पर होता है। ऐसे दुकानदारों को गैस एजेंसी से 14.2 किलोग्राम का एक गैस सिलेंडर प्राप्त होता है। जबकि हांडी गैस में प्रति किलोग्राम गैस भरने के 130 से 160 रुपए वसूले जा रहे हैं। इससे रिपेयरिंग वालों को 1250 से 1650 रुपए तक मुनाफा होता है। बताया जाता है कि यह सब जागरूकता के अभाव में हो रहा है। इसको रोकने के लिए सरकार 5 किलोग्राम वजन वाली सिलेंडर की व्यवस्था की जो आसानी से सभी गैस एजेंसी में उपलब्ध है। बावजूद लोग कनेक्शन लेने की बजाये बाजार से हैंडी गैस खरीद लेते हैं।

नहीं किया जा रहा जागरूक

गैस भरवाने वाले ग्राहकों को यह पता नहीं होता है कि गैस कितनी भरी गई है जबकि गैस एजेंसी में 5 किलोग्राम का गैस सिलेंडर निर्धारित रुपए की धरोहर राशि देकर प्राप्त हो सकता है। इसके पीछे जागरूक करने के लिए प्रशासन या खाद्य आपूर्ति विभाग ने कोई अभियान नहीं चलाया। एजेंसियों ने अपने स्तर पर प्रयास किया लेकिन यह कारगर नहीं हुआ। गैस का छोटे दुकानदारों को अवैध रिफलिंग के जरिए आसानी से मन मुताबिक गैस मिल जाती है। इसी का नतीजा है कि दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडर देखे जा सकते हैं। नगर में ऐसे कई होटल है जिनमें अवैध रूप से घरेलू सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा है। यदि किसी होटल में सिलेंडर फटता है तो बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता है । इतना ही नहीं पोर्टेबल जैंसेट हुआ कई वाहनों में अवैध गैस से चल रहे हैं। जिस पर खाद विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है। लिहाजा अवैध रूप से बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस रिपेयरिंग की जाती है और इन लोगों के हौसले बुलंद हैं।

तो कब तक संचालित होता रहेगा मेसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर

क्लोजर रिपोर्ट के मायने बताने प्रशासनिक अमला अब तक रहा नाकाम

अनूपपुर। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा ग्राम पंचायत दोनिया में संचालित मेसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर में अनियमितता पाये जाने पर पहले जवाब तलब किया गया। संतुष्टि पूर्ण जवाब नही मिलने पर क्रेशर के संचालन को बंद कराये जाने को लेकर निर्देश जारी किये गये है, आदेश 07.08.2023 में दिये गये थे जिसका पालन आज दिनांक तक नही हो सका है। ऐसे में यह पत्र महज दिखावा बन कर रह गया है जबकि पत्र में उल्लेखित करते हुये डिविजनल इंजीनियर म.प्र. पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी लिमिटेड को निर्देशित किया गया था कि उक्त स्टोन क्रेशर की विद्युत सप्लाई तत्काल प्रभाव से अवरूद्ध कर दी जाये लेकिन पालन का न होना स्वतः निर्धारित करता है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का यह पत्र महज दिखावा बना हुआ है।

कब होगी कार्यवाही

म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा 7.08.2023 को अपने पत्र क्रमांक 1292 में क्षेत्रीय अधिकारी संजीव मेहरा द्वारा हस्ताक्षरित आदेश दिया था जिसे जिला कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी एवं खनिज अधिकारी को सूचनार्थ बातें कही गई थी वहीं विद्युत वितरण कंपनी को निर्देशित किया गया था कि उक्त क्रेशर का संचालन तत्काल रूकवाया जाये तब से लेकर आज तक बेखौफ क्रेशर का संचालन चल रहा है। समाचार पत्रों के माध्यम से जब यह मामला उजागर हुआ तब राजस्व अमले के तहसीलदार व उनके अधीनस्थ कर्मचारी संचालित स्टोन क्रेशर का मुआयना करने पहुंचे किन्तु कार्यवाही क्या हुई वह उजागर नही की गई है। इधर विद्युत वितरण कंपनी का कहना है कि

विद्युत प्रवाह अवरोध कराये जाने के लिये राजस्व व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अमला उक्त स्थल में मौजूद रहना चाहिये जिसके लिये यह विभाग पत्र भी जारी कर चुका है।

समय पर बिल भुगतान के कारण अटकी कार्यवाही

डिविजनल इंजीनियर म.प्र. पूर्व क्षेत्र कंपनी लिमिटेड जिला अनूपपुर की ओर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का निर्देशित पत्र में कहा गया था कि उक्त स्टोन क्रेशर ईकाई के विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर सूचित करें किन्तु न तो विद्युत विभाग द्वारा विच्छेदन किया गया और न ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ही विद्युत विभाग से जानकारी मांगी गई इधर विद्युत विभाग से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि जब तक राजस्व का अमला व म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अमला संचालित स्टोन क्रेशर में हमारे विभाग के साथ उपस्थित नही रहेगा तब तक विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही करना कठिन बना रहेगा दूसरी तरफ यह स्टोन क्रेशर उपयोग की गई विद्युत का भुगतान समय समय पर लगातार करता आ रहा है।

संचालन में नियमों की अनदेखी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा स्टोन क्रेशर संचालक को अपने पत्र के माध्यम से कहा गया कि इकाई का संचालन तत्काल बंद किया जाये वहीं संबधित विभागों को आपूर्ति बधित करने के निर्देश भी दिये गये साथ ही कारण बताते हुये कहा गया कि उक्त स्टोन क्रेशर इकाई परिषर में पर्यावरण नियमों की अनदेखी की गई जिसमें क्षतिग्रस्त विंड ब्रेकिंग बेरियर की मरम्मत के साथ जीरो डस्ट व महीन डस्ट के परिवहन करने वाले कन्वेयर के ड्रॉप डाउन बिन्दुओं का कवर्ड नही किया गया है एवं प्यूजिटिव डस्ट उत्सर्जन हेतु स्क्रीन सेक्सन का खुला होना वृक्षारोपण व साइड कवर्ड का न होना को कमी बताई गई इसके अलावा भी कई कमियां संचालित स्टोन क्रेशर परिषर में देखी जा सकती हैं।

लेनदेन के लग रहे आरोप

सरकार द्वारा किसी भी उद्योग व्यवसाय व सेवा के लिये नियम व शर्तें बना रखी हैं जिनमें समय समय पर संशोधन कर उन्हे और भी सुविधाजनक व बेहतर किया जाता रहा है किन्तु जब प्रशासन के नुमांइदे इन नियमों की अनदेखी कर कार्य करने लगते हैं तब लोग लेनदेन वाले आरोप लगाने से गुरहेज नही करते ऐसा ही उक्त स्टोन क्रेशर के संचालन में आरोप लग रहे हैं। एक ओर जहां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पत्र जारी कर अपनी कार्यवाही को अमलीजामा पहनाने में दुरूस्त नही बना है वहीं राजस्व अमला सब कुछ जानकर अंजान बना बैठा है तो विद्युत विभाग पत्र के प्रत्युत्तर मे पत्र लिखने की बात कह रहा है यही वजह है कि ऐसे आरोप लग रहे हैं।

इनका कहना है

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पत्र के प्रत्युत्तर में हमारे द्वारा पत्र लिखकर उक्त विभाग को सूचित किया गया है कि आपके कार्यालय से प्रतिनिधि भेजा जाये जिसके साथ हमारे विभाग के कर्मचारी मौके में जाकर विद्युत विच्छेदन कर सके।

जीपी गोस्वामी, अधीक्षण अभियंता
विद्युत विभाग, अनूपपुर

ग्रामीणों को फिर पेडों में बितानी पड़ेगी रात

वन विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली का दंश झेलेंगे प्रभावित ग्रामीण

अनूपपुर। एक अकेला हाथी विगत तीन दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में विचरण करता हुआ शुक्रवार एवं शनिवार की रात धनगवां बीट के जगह से निकल कर पूरी रात कुसुमहाई, टकहुली, चांदपुर, गुवारी की सीमा मे चलते हुए आहार की तलाश में 9 ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर नुकसान करते हुए दो किसानो की फसलों को अपना आहार बनाकर शनिवार की सुबह होते ही फिर से दूसरे दिन धनगवां के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है। हाथी के विचरण को लेकर अनेको गांव के ग्रामीण हाथी के आने की सम्भावना पर पूरी रात जाग कर बिताते रहे। इस बीच कुसुमहाई के पाडाडोल मोहल्ला में निरंतर हाथी से पीड़ित दो आदिवासी परिवारों ने एक दिन पूर्व ही घर की सामग्रियों को घर के पास स्थित महुआ के पेड़ में रस्सी के सहारे चढ़ा कर रख दिया। एक दांत वाला नर हाथी विगत तीन दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से सीमा को पार करते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी इलाके में आकर ठहरा हुआ है जो दिन में जंगल में रहकर विश्राम करने बाद रात होते ही आहार की तलाश में जंगल से निकल कर ग्रामीण अंचलो में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों, खेत एवं बांड़ी में लगे एवं रखे विभिन्न प्रकार के खाने की सामग्रियों को अपना आहार बनाते हुए सुबह होने के पूर्व फिर से जंगल में विश्राम करने चला जाता है शुक्रवार को पूरे दिन यह हाथी जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत जंगल में जो ग्राम पंचायत क्योटार के राजस्व ग्राम कुसुमहाई से लगा हुआ है में विश्राम करने बाद अचानक देर रात जंगल से निकलकर कुसुमहाई गांव के पाड़ाढोल टोला जो जंगल के किनारे स्थित है में पहुंचकर वनकर्मियों एवं ग्रामीणों को देखकर दौड़ने बाद चौरसिया बाई बैगा, लाल बहादुर सिंह गोंड एवं भंवर सिंह गोंड के घरों में तोड़फोड़ कर अनाज की तलाश करते हुए खाता रहा इस बीच विगत कई वर्षों से हाथियों के आने एवं जाने का यह क्षेत्र मार्ग होने के कारण चौरसिया बाई बैगा, लाल बहादुर सिंह जो खेतों में घर बनाकर रह रहे हैं अपने खाने पीने की सामग्री को हाथी के आने की संभावना पर एक दिन पूर्व ही घर के पास महुआ के पेड़ में रस्सी के सहारे बांधकर चढ़कर सुरक्षित रख दिया था जो इस हाथी के पहुंच से दूर होने के कारण बचा रह गया हाथी कुसुमहाई के झंडीटोला निवासी श्रीमती रामवती सिंह, बाल सिंह गोंड़ के साथ टकहुली ग्राम के शोभलाल भैना, मोहन सिंह गोंड, सीताराम यादव, भवन सिंह भैना एवं नेम सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर एवं खेतों में लगी फसलों को अपना आहार बनाते हुए देर रात गुवारी गांव की सीमा में स्थित मोजरबेयर की बाउंड्री बाल की समीप आकर कुछ घंटे व्यतीत करते हुए फिर से चांदपुर, टकहुली, कुशमहाई होते हुए सुबह होने के पूर्व धनगवां बीट के जंगल झंनडिहाईन डोंगरी के जंगल में पहुंचकर शनिवार के दिन विश्राम कर रहा है। वनविभाग के अधिकारी कर्मचारी ग्राम पंचायतो के पदाधिकारी के साथ इस हाथी के विचरण पर निरंतर नजर रखते हुए ग्रामीणों को सतर्क पर एवं सचेत रहने की बात विभिन्न माध्यमों से कर रहे हैं।

करनपठार पुलिस ने अपराध कायमी के पूर्व किया दस्तयाब

राजेन्द्र ग्राम। करनपठार पुलिस के द्वारा काल्पनिक नाम पुष्पकली देवी पिता लालन सिंह मरावी उम्र 17 वर्ष निवासी ग्राम कण्डी कापा थाना करनपठार को अपराध कायमी के पूर्व दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्गदर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत निरी. पी. सी कोल थाना प्रभारी थाना करनपठार नेतृत्व में हमराह प्रआर. मोहन सिंह धुर्वे, आर. मनोज कुशवाहा, विनोद कुमार, म.आर. राखी मरापे, शशि गोड थाना करनपठार के द्वारा सूचना कर्ता के सूचना दर्ज करने से पूर्व जिला डिण्डौरी तरफ पता तलाश किया जो ग्राम सुनियामार जिला डिण्डौरी में काल्पनिक नाम पुष्पकली देवी के सगे संबधियो के घर से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया।

सामतपुर तालाब में सामूहिक श्रमदान से की गई साफ सफाई

अनूपपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अनूपपुर के नेतृत्व में विश्व जल दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के अंतर्गत वार्ड नंबर एक सामतपुर तालाब में घाट की साफ सफाई का कार्य सामुहिक श्रमदान के माध्यम से किया साथ ही पौधारोपण एवं जल संरक्षण जन जागरूकता हेतु शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता विक्रम सिंह महोबिया, परामर्शदाता श्रीमती शारदा चौरसिया परामर्शदाता दिलीप शर्मा नवांकुर संस्था सोन शिव सेवा संस्था से देवेंद्र पांडेय, रमेश द्विवेदी सी एम सी एल डी पी छात्र विकाश पांडेय अंकित पाठक, शुभम पांडेय रानी पांडेय, पूनम पांडेय, राजकुमारी पहाड़े, जानकी गुप्ता, साक्षी प्रिया सरावगी गुप्ता सूरज केसरवानी, रवि प्रजापति, दुर्गेश यादव उपस्थित रहे।

जिले में 2 दिन से अचानक आए मौसम में बदलाव से घुली ठंडक

शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे तेज आंधी तूफान के साथ दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही

अनूपपुर/कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र के कोतमा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र मे उत्तर भारत के मौसम परिवर्तन का व्यापक प्रभाव देखने को मिल। शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित कई क्षेत्रों में आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। शनिवार को दोपहर 3:00 बजे जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक सहित आसपास क्षेत्र में आंधी तूफान के साथ ओलावृष्टि हुई उसके बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई । जिसके कारण अमरकंटक का मौसम सुहाना हो गया। कोतमा नगर में बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हुआ है। किसानों की सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। इससे आने वाले समय में सब्जियों के दाम बढ़ने की आशंका है। तेज बारिश के साथ गिरे ओलेः किसानों की फसलों को पहुंचा नुकसान, बढ़ सकते है सब्जियों के दाम शुक्रवार को रात्रि 12 बजे से तेज आंधी तूफान के साथ बेर के बराबर लगभग आधे घंटे बर्फबारी हुई साथ ही तेज बारिश भी हुई। जिसके कारण नगर सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लगभग आधे घंटे तक तेज आंधी तूफान एवं चमक गरज के साथ ओलावृष्टि होने के साथ ही झमाझम बारिश भी हुई। बर्फबारी होने के कारण नगर की सड़कों में सफेद बर्फ की चादर बीच गई लोग शिमला का एहसास करने लगे। उत्तर भारत के मौसम परिवर्तन का व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है। जिले सहित कई क्षेत्रों में आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। जिले के कई इलाकों में तेज

फसलों को पहुंचा नुकसान

शुक्रवार दोपहर से मौसम में बदलाव शुरू हुआ। कोयलांचल क्षेत्र सहित ग्रामीण इलाके में जोरदार बारिश के साथ ओले गिरे। देर रात तक आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली की गतिविधियां जारी रहीं। शनिवार सुबह तक कई इलाकों में हल्की बारिश होती रही। शनिवार को अमरकंटक में दोपहर तीन बजे तेज़ आंधी तूफान चलने के साथ ओलावृष्टि हुई। ग्रामीणों के मुताबिक, बाड़ियों में लगी सब्जियां और गेहूं की फसल को नुकसान की आशंका है। मौसम के इस बदलाव से शहरी क्षेत्र भी अछूते नहीं रहे। सबसे

ज्यादा नुकसान आम एवं महुआ की फसलों को हुआ है।

बिजली आपूर्ति बाधित

शुक्रवार शाम से नगर के विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। विद्युत विभाग के द्वारा नगर सहित ग्रामीण इलाकों में मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा था और रात्रि 8 बजे तक लगभग सभी जगह की विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई थी। लेकिन अचानक रात्रि 12 बजे तेज आंधी तूफान एवं चमक गरज के साथ बर्फबारी के साथ ही बारिश होने के कारण नगर सहित ग्रामीण इलाकों में विद्युत सप्लाई बाधित हो गई। जिसका मुख्य कारण आंधी तूफान के कारण जगह बिजली के तार टूट कर जमीन पर गिर गए बिजली के तार के ऊपर बड़े-बड़े पेड़ गिर गए इंसुलेटर फूट गया यहां तक कि हवा में इंसुलेटर ही उड़ गया जिसके कारण विद्युत विभाग को रात्रि अंधेरा होने के कारण बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पूरी रात विद्युत विभाग का अमला विद्युत सुधार कर में जुटा रहा । सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति ने बताया कि रात्रि में अचानक मौसम में परिवर्तन होने के कारण तेज आंधी तूफान के साथ ही बारिश हुई जिसके कारण कई जगह विद्युत के साथ टूटकर जमीन में गिर गए। अधिकारियों ने बताया कि विद्युत वितरण केंद्र कोतमा अंतर्गत नगर के विकास नगर गणेश नगर सहित अन्य वार्ड में बिजली के तार टूट कर जमीन में गिर गए थे जिसके कारण करीब 1 घंटे नगर की विद्युत सप्लाई बाधित रही उसके बाद नगर की विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में फाल्ट नहीं मिलने के कारण सुबह 4 तक पूरी तरह से विद्युत सप्लाई बहाल की गई। अधिकारियों ने बताया कि परासी फीडर में 11kv लाइन का तार टूट कर जमीन में गिर गया इंसुलेटर टूट गया। परासी सब स्टेशन से निकलने वाली 33 केवी लाइन फाल्ट हो गई इंसुलेटर टूट गया 11 के वी लाइन में फाल्ट आ गया। बेलिया बड़ी गांव के फीडर की एलटी लाइन का तार टूट गया एक बिजली का खंबा भी टूट कर जमीन में गिर गया। धुम्मा गांव मे भी तार टूटने के कारण एलटी लाइन में फाल्ट आ गया। पर टूटकर बिजली के तार के ऊपर कई जगह गिर गए जिसके कारण पूरी रात विद्युत विभाग के सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति विद्युत कर्मचारियों के साथ नगर सहित ग्रामीण इलाकों में पेट्रोलिंग करते हुए फॉल्ट ढूंढ कर विद्युत सुधार कार्य में लग रहे सुबह तक सभी जगह की विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई थी। कुछ ग्रामीण इलाकों में अभी भी विद्युत सुधार का कार्य किया जा रहा है। सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बिजुरी वितरण केंद्र अंतर्गत कई ग्रामीण इलाकों में भी आंधी तूफान के कारण बिजली के तार के ऊपर पेड़ गिर गए जिसके कारण तार टूट कर जमीन में गिर गए ओला ब्रेस्ट के कारण इंसुलेटर फूट गया। उन्होंने बताया कि कोठी के कई गांव की बिजली सप्लाई बाधित रही वहीं सेमरा गांव में पूरी रात बिजली सप्लाई ठप्प हो गई। भाद गांव में भी पूरी रात विद्युत आपूर्ति बाधित रही। आमाडांड क्षेत्र में भी बिजली के तार टूट कर जमीन पर गिर गए जिसके कारण बिजली सप्लाई बाधित हो गई। कनिष्ठ अभियंता के एस पटेल पूरी रात विद्युत कर्मचारियों के साथ विद्युत सुधार कार्य करने में लग रहे सुबह तक कई इलाकों की विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई थी।

न्यायालय श्रीमान द्वितीय अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
कुमकुम तम्बोली वगैरह ....आवेदिकागण
विरूद्ध
जगतार सिंह वगैरह ....अनावेदकगण
प्रोसेस क्रमांक- 552 प्र.क्र.-32/2024
पेशी ता.- 16/04/2025
अनूप कुमार त्रिपाठी पिता अशोक त्रिपाठी उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 05 पुरानी बस्ती कोतमा पुलिस थाना कोतमा जिला अनुपूर म.प्र. मो. 8305917296 (वाहन स्वामी) ....नोटिसी
नोटिस
इस न्यायालय में लंबित प्र.क 32/2024 पक्षकार कुमकुम तम्बोली वगैरह बनाम जगतार सिंह वगैरह में दिनांक 16/04/2025 को न्यायालय द्वारा पेशी निर्धारित की गई है। आवेदिकागण द्वारा आप नोटिसी के विरूद्ध धारा 166 मोटरयान अधिनियम क्षतिपूर्ति राशि के डिक्री के निष्पादन हेतु प्रस्तुत किया है।
अतः इस पेपर प्रकाशन नोटिस के जरिये आप नोटिसीगणो को सूचित किया जाता है कि आप व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 16/04/2025 को आवश्यक रूप से न्यायालय में ठीक 11:00 बजे उपस्थित हुये आपकी अनुपस्थिति की स्थिति में न्यायालय द्वारा विधि अनुरूप प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। यदि किसी कारणवश सुनवाई तिथि पर पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर होने अथवा अन्य किसी कारण से न्यायालय बंद होने की स्थिति मे प्रकरण की अगली सुनवाई अगले कार्य दिवस पर की जायेगी तदनुसार नोटिस प्रकाशन सूचना जानें।
अतः आज दिनांक 20/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर से एवं न्यायालय की सील मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।
दिनांक 20/03/2025
स्थान बिलासपुर छ.ग.
(संतोष कुमार महोबिया)
सदस्य, द्वितीय अति. मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर (छ.ग.)